भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4583

जिसका उत्तर 19.03.2026 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग-275 पर सड़क किनारे सुविधा

†4583. डॉ. सी. एन. मंजूनाथ:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के संज्ञान में यह आया है कि मैसूरु और बेंगलुरू के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-275 के किनारों पर कोई विनिर्दिष्ट विश्राम स्थल या सड़क किनारे सुविधा की व्यवस्था नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि बेंगलुरु दक्षिण जिले के उपायुक्त ने, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि चन्नपट्टण अपने पारंपरिक लकड़ी के खिलौनों के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है और इसे "बोम्बे नाडु" के नाम से जाना जाता है, चन्नपट्टण के निकट एक विश्राम स्थल और खिलौना पार्क (टॉय पार्क) की स्थापना के लिए भूमि आवंटित की है;

(ग) क्या केन्द्र सरकार को इस संबंध में राज्य सरकार अथवा अन्य प्राधिकरणों से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-275 के किनारों पर सड़क किनारे सुविधाएं/विश्राम क्षेत्र विकसित करने और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए क्या कार्रवाई की गई है अथवा किए जाने का विचार है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) बेंगलुरु-मैसूरु राजमार्ग (एनएच-275) एक पहुँच नियंत्रित राजमार्ग है जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए सरकारी और निजी अवसंरचना उपलब्ध है। सरकार ने यात्रियों के लिए चालू राजमार्ग मिनी-नेस्ट के साथ-साथ 4 (चार) शौचालय सुविधाएं [रास्ते के दाहिनी ओर किमी 26.7 और किमी 116.550 और रास्ते के बाईं ओर किमी 23.7 और किमी 116.65] प्रदान की हैं। इसके अलावा, राजमार्ग के किनारे लगभग 24 (एलएचएस पर 14 और आरएचएस पर 10) निजी सुविधाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध हैं, जिन्हें जहां सर्विस रोड के माध्यम से पहुंचा जा सकता है।

(ख) से (घ) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को बेंगलुरु दक्षिण के उपायुक्त से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। यदि राज्य सरकार द्वारा भूमि प्रदान की जाती है तो सड़क के किनारे सुविधा निर्माण पर विचार किया जा सकता है।

******